अभ्यास पत्रक

पाठ: 3 - एक आशीर्वाद

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) कवि अपने आशीर्वाद में सपनों के कैसा होने की कामना करते हैं?

(क) छोटे (ख) रंगीन (ग) बड़े (घ) सच्चे

(ii) "भावना की गोद से उतरकर" कवि क्या सीखने के लिए कह रहे हैं?

(क) आकाश में उड़ना (ख) पृथ्वी पर चलना (ग) सपनों में खो जाना (घ) दूसरों पर निर्भर रहना

(iii) कवि किन अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखने को कहते हैं?

(क) नदी-पहाड़ों जैसी (ख) सोने-चाँदी जैसी (ग) चाँद-तारों जैसी (घ) ज्ञान-विज्ञान जैसी

(iv) "अपने पाँवों पर खड़े हों" - इस पंक्ति का क्या आशय है?

(क) चलना सीख लेना (ख) आत्मनिर्भर बनना (ग) बहुत ऊँचा हो जाना (घ) घमंड करना

(v) यह कविता किस कवि द्वारा लिखी गई है?

(क) भीष्म साहनी (ख) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(ग) दुष्यंत कुमार (घ) आरसी प्रसाद सिंह

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) कवि के आशीर्वाद में कौन-सी तीन क्रियाएँ करने को कहा गया है?

उत्तर- .....

(ii) कवि किसके लिए रूठना-मचलना सीखने का आशीर्वाद देते हैं?

उत्तर- .....

(iii) कवि किस चीज को देखकर ललचाने की बात करते हैं?

उत्तर- .....

(iv) कवि ने सपनों को कहाँ से उतरने की बात कही है?

उत्तर- .....

(v) कविता का शीर्षक क्या है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "भावना की गोद से उतरकर जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) कवि सपने देखने के साथ-साथ आत्मनिर्भर होने पर बल क्यों दे रहे हैं?

उत्तर- .....

.....

(iii) कविता में 'स्वप्न' शब्द से क्या आशय है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) "चाँद-तारों-सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखें" - इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? इसका जीवन में क्या महत्व है?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) बड़े

(ii) (ख) पृथ्वी पर चलना

(iii) (ग) चाँद-तारों जैसी

(iv) (ख) आत्मनिर्भर बनना

(v) (ग) दुष्यंत कुमार

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) कवि के आशीर्वाद में हँसने, मुस्कुराने और गाने की क्रियाएँ करने को कहा गया है।

(ii) कवि चाँद-तारों जैसी अप्राप्य (कठिनाई से मिलने वाली) सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखने का आशीर्वाद देते हैं।

(iii) कवि हर दीये की रोशनी (ज्ञान और अवसर) को देखकर ललचाने की बात करते हैं।

(iv) कवि ने सपनों को भावना की गोद से उतरने की बात कही है।

(v) कविता का शीर्षक 'एक आशीर्वाद' है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इन पंक्तियों का भाव है कि हमें केवल कल्पनाओं और भावनाओं की दुनिया में ही नहीं रहना चाहिए, बल्कि यथार्थ की जमीन पर उतरकर वास्तविक दुनिया का सामना करना सीखना चाहिए।

(ii) कवि आत्मनिर्भर होने पर इसलिए बल दे रहे हैं क्योंकि केवल बड़े सपने देखना ही काफी नहीं है। उन सपनों को साकार करने के लिए व्यक्ति को आत्मनिर्भर और कर्मठ बनना पड़ता है, तभी वह सफलता प्राप्त कर सकता है।

(iii) कविता में 'स्वप्न' शब्द का आशय केवल नींद में आने वाले सपनों से नहीं, बल्कि जीवन के बड़े लक्ष्यों, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं से है, जिन्हें व्यक्ति पाना चाहता है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) इन पंक्तियों के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि व्यक्ति को अपने जीवन में ऊँचे और कठिन लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, भले ही वे चाँद-तारों की तरह पहुँच से बाहर क्यों न लगते हों। "रूठना-मचलना" का यहाँ अर्थ है, उन बड़े लक्ष्यों को पाने के लिए बच्चों जैसी जिद, हठ और जुनून अपनाना। इसका जीवन में बहुत महत्व है क्योंकि यही जुनून हमें कठिन परिश्रम करने और चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है। जो लोग बड़े लक्ष्यों से डरकर प्रयास ही नहीं करते, वे कभी बड़ी सफलता प्राप्त नहीं कर सकते। इसलिए, असंभव लगने वाले सपनों के प्रति यह ललक और जिद ही व्यक्ति को महान बनाती है।